कंप्यूटर माउस और उसके जनक

डॉ. डगलस एंगलबर्ट ने अपने प्रयोगों की शुरूआत उसी समय की जब कंप्यूटिंग का काम अपनी प्रारंभिक अवस्था में था। उनके आविष्कारों की श्रृंखला की वजह से यह क्षेत्र अपने समय से बहुत आगे निकल गया । इन आविष्कारों में कंप्यूटर माउस सर्वाधिक लोकप्रिय है।

2. डगलस सी एंगलबर्ट केवल 25 वर्ष के थे जब उनकी शादी होने वाली थी और वे सगाई कर चुके थे] उस वक्त वे अपने भविष्य के बारे में विचार कर रहे थे 1950 में उनके दिमाग की एक उपज ने इस दुनिया को बदल कर रख दिया। वे कैलिफोर्निया की सरकारी एयरोस्पेस प्रयोगशाला में कार्यरत थे पर अपनी जिंदगी में कुछ और करना चाहते थे शायद कुछ ऐसा जिससे वे अमर हो जाए। उसी वक्त उनके दिमाग में एक विचार कौंधा और एक ही झटके में उन्होंने कुछ ऐसा किया जिसे सूचना युग की संपूर्ण दूरगामी कल्पना कहा जा सकता है।

3. उनके दिमाग में एक ऐसी प्रौद्योगिकी क्षमता का विचार आया जिससे मानवीय बुद्धि का विस्तार हो और इसके परिणामस्वरूप उन्होंने कुछ ऐसा किया जिसका असर अब तक महसूस किया जा सकता है। उन्होंने अनेक ऐसे आविष्कार किए जो इंटरनेट और आधुनिक व्यक्तिगत कंप्यूटर का आधार बने।

4. जब एंगलबर्ट ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया तब कंप्यूटिंग अपनी प्रारंभिक अवस्था में थी। कंप्यूटर का मतलब बड़ी-बड़ी मशीनें हुआ करता था जो केवल गणना का ही काम करती थी और एक समय में एक ही व्यक्ति इसका इस्तेमाल कर सकता था। एक व्यक्ति एक साथ बहुत-सी सूचनाओं को इसमें डालता था और इसके बाद इसके उत्तर का प्रिंट लेने के लिए घंटों का इंतजार करना पड़ता था। इंटरएक्टिव कंप्यूटिंग भविष्य की बात अथवा वैज्ञानिक कल्पनाओं तक सीमित थी। लेकिन एंगलबर्ट के दिमाग में यह विचार निरंतर चलता रहता था।

5. अपने विचारों में उन्होंने स्वयं को एक विशाल कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठा हुआ पाया, जिसमें बहुत अलग-अलग चिह्न देखने को मिले | काफी कुछ द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद नौसेना के रड़ार कंसोल पर आने वाली प्रतीकों की तरह। उन्होंने विचार किया कि यह स्क्रीन किसी वर्कस्टेशन के डिस्प्ले के रूप में काम करेगी, जिसमें किसी भी परियोजना के लिए सूचना और संचार को संयोजित किया जाएगा।

6. दिसंबर 1968 में सैन फ्रांसिस्को के फॉल ज्वाइंट कंप्यूटर सम्मेलन में दुनिया के हजारों अग्रणी कंप्यूटर वैज्ञानिकों के समक्ष अपने आविष्कारों के प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने कंप्यूटिंग की दुनिया में तूफान खड़ा कर दिया । यह सम्मेलन कंप्यूटर के क्षेत्र में 1950 की शुरुआत से आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय सम्मेलनों की श्रृंखलाओं में एक था, एंगलबर्ट अनेक क्रांतिकारी इंटरएक्टिव कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों का विकास कर रहे थे और उन्हें प्रदर्शित करने के लिए उन्होंने इस सम्मेलन का चुनाव किया ।

7. इस आयोजन में वे माउस, की-बोर्ड और अन्य कंट्रोल के साथ उपस्थित हुए और उनके पीछे 22 फुट ऊंची वीडियो स्क्रीन थी। एक घंटे से कुछ अधिक समय में उन्होंने प्रदर्शित किया कि किस प्रकार एक नेटवर्क युक्त, इंटरएक्टिव कंप्यूटिंग प्रणाली सूचनाओं को तेजी से साझा कर सकती है । उन्होंने चार वर्ष पूर्व स्वयं द्वारा आविष्कृत माउस को भी प्रदर्शित किया कि किस प्रकार कंप्यूटर को नियंत्रित करने के लिए उसका प्रयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने टेक्स्ट एडिटिंग, वीडियो कांफ्रेंसिंग, हाइपरटेक्स्ट और विंडोइंग को भी प्रदर्शित किया।

8. उस वक्त इस्तेमाल किए जाने वाले मेनफ्रेम के स्थान पर उन्होंने ऑनलाइन प्रणाली अथवा एनएलएस प्रणाली का सृजन किया] जिससे सूचना निर्बाध तरीके से शोधकर्ताओं के बीच साझा की जा सकती थी और किसी संरचनात्मक इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी के रूप में दस्तावेजों को प्राप्त किया जा सकता था।